

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की
गई कार्रवाई के
बारे में टिप्पणी
व्यरीख माहित

16

न्यायालय, उप समाहर्ता, भूमि सुधार, गढ़वा।

विविध अपील वाद सं०-04/2014-15

कुमारी अन्नपूर्णा देवी
बनाम
जितेन्द्र चंद्रवंशी वगैरे

P.N. 132 -
P.N. 137 -
P. 138 -
15-7-17

आदेश

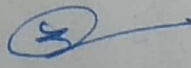
यह वाद आवेदिका अन्नपूर्णा देवी, पिता-बाबु केदारनाथ सिंह, ग्राम-पिपराकला, थाना-गढ़वा, जिला-गढ़वा द्वारा अंचल अधिकारी, गढ़वा के विविध वाद सं०-33/2013-14 में दिनांक 09.07.2014 को परित आदेश के विरुद्ध अपील आवेदन दायर किया गया है, जिसके आलोक में अभिलेख संधारित कर वाद की कार्रवाई प्रारंभ किया गया। इस वाद में निहित भूमि का दिवरणी निम्नवत है :-

ग्राम	थाना न०	खाता न०	प्लॉट न०	रकबा
पिपराकला	342	51	196	0.19 डी०
		51	249	0.11 डी०
			कुल	0.30 डी०

वाद की सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि को समय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा दिए गए तर्कों को सुना गया। विज्ञ अधिवक्ता प्रथम पक्ष के द्वारा तर्क दिया गया कि अंचल अधिकारी, गढ़वा द्वारा विविध वाद सं०-33/2013-14 में दिनांक 09.07.14 को परित आदेश पुरी तरह से गैर कानुनी है एवं नियम संगत नहीं है। तत्कालीन उप समाहर्ता, भूमि सुधार, गढ़वा द्वारा खाता सं०-51, प्लॉट-196, रकबा-0.19 डी० का लगान निर्धारण विविध वाद सं०-06/2003-04 के द्वारा किया गया है, जो नियम के विरुद्ध है। आवेदक के विज्ञ अधिवक्ता का कहना है कि उक्त भूमि खेवट सं०-03 की भूमि है जिसके मालिक बाबु कालीचरण सिंह एवं बाबु विष्णु प्रसाद सिंह पिता अजित सिंह, बाबु त्रिवेणी सिंह पिता गंगाजीत सिंह थे। उक्त भूमि बाबु केदारनाथ सिंह, पिता त्रिवेणी सिंह को बंटवारा में प्राप्त है। आवेदिका बाबु केदारनाथ सिंह की एकमात्र पुत्री है।

विपक्षी के विज्ञ अधिवक्ता का कहना है कि प्रस्तावित भूमि खेवट सं०-26 की भूमि है एवं समिलात मालिकान में जानकी पाण्डेय का नाम दर्ज है। जानकी पाण्डेय को प्रस्तावित भूमि भूतपूर्व जमींदार के द्वारा वर्ष 1919 ई० में महाराजा कुमार बाबु आनंद सिंह, बाबु गंगाजीत सिंह वो बाबु अमरदयाल सिंह से दान पत्र द्वारा हसिल है। विपक्षी के विज्ञ अधिवक्ता का यह भी कहना है कि तत्कालीन भूमि सुधार, उप समाहर्ता गढ़वा द्वारा खाता सं०-51, प्लॉट सं०-196, रकबा-0.19 डी० का लगान निर्धारण विविध वाद सं०-06/2003-04 के द्वारा किया गया है, जिसके आधार पर मांग खोला गया है। उक्त संदर्भ में आदेश की सत्यापित प्रति संलग्न की गई है साथ ही इनके द्वारा प्रथम पक्ष के एम० रौल संख्या 175/55-56 अवैध है। इस संबंध में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत एम० रौल का सत्यापन से संबंधित सूचना जिला अभिलेखागार पलामू जिला अभिलेखागार, गढ़वा के द्वारा उपलब्ध कराई गई है से स्पष्ट है कि इस प्रकार का कोई एम० रौल अभिलेखागार में उपलब्ध नहीं है।

अंचल अधिकारी, गढ़वा के निम्न न्यायालय वाद सं०-33/2013-14 में प्रतिवेदित किया गया है कि खाता सं०-51, प्लॉट सं०-249, रकबा-0.11 डी० का मांग दरगाही राम वो



लक्ष्मण राम वल्द नारायण राम के नाम से मांग पंजी-2 के पृष्ठ सं०-43/1 पर चलता है। साथ ही उनके हाता के अधीन है प्रतिवेदित किया गया है। आवेदिका के द्वारा 175/55-56 एम० रौल प्रस्तुत किया गया है, परंतु प्रस्तावित भूमि पर दखल कब्जा नहीं है। अंचल अधिकारी, गढ़वा द्वारा यह भी प्रतिवेदित किया गया है कि मांगधारी के द्वारा इस 0.11 डी० भूमि के चल रहे मांग के संबंध में कोई आदेश की प्रति नहीं समर्पित किया गया है।

उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ता के तर्क एवं कागजातों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्रस्तावित भूमि खेवट सं०-26 की भूमि है। साथ ही तत्कालीन भूमि सुधार, उप समाहर्ता, गढ़वा द्वारा खाता सं०-51, प्लॉट सं०-196, रकबा-0.19 डी० का लगान निर्धारण किया गया है न्यायसंगत है। अंचल अधिकारी, गढ़वा के निम्न न्यायालय वाद सं०-33/2013-14 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि खाता सं०-51, प्लॉट सं०-249, रकबा-0.11 डी० एकड़ भूमि का मांग श्री दरगाही राम वो लक्ष्मण राम, वल्द नारायण राम के नाम से मांग पंजी 02 के पृष्ठ संख्या 43/1 पर कायम है।

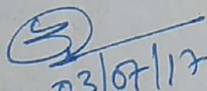
यह कि सभी पक्षकारों के लिखित जवाब का गहन परीक्षण करने के उपरांत पाया कि बाबु केदारनाथ सिंह का एम० रौल संख्या 175/55-56 में दर्ज सभी खाता एवं प्लॉट में से कुछ भूमि बकास्त खाते की, कुछ रैयती खाते की एवं कुछ गैरमजरूआ खाते का पाया गया है जिसकी विवरणी निम्नवत है :

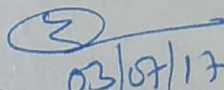
खाता सं०	खेवट सं०	भूमि का किस्म/प्रकार
51	26	बकास्त खाते की भूमि है।
56	26	गैरमजरूआ मालिक खाते की भूमि है।
36	21	गैरमजरूआ मालिक खाते की भूमि है।
14	21	रैयती खाते की भूमि है।
38	22	बकास्त खाते की भूमि है।
49	22	गैरमजरूआ मालिक खाते की भूमि है।
01	02	गैरमजरूआ मालिक खाते की भूमि है।

उक्त खेवट सं०-21, 22, 26 एवं 02 खेवट का मालिक अलग-अलग जमींदार के नाम पर दर्ज है जिससे यह स्पष्ट होता है कि बाबु केदारनाथ सिंह, पिता त्रिवेणी सिंह के नाम पर ग्राम-पिपराकला (गढ़वा) में कोई खेवट नहीं है। श्री केदारनाथ सिंह के नाम पर कोई खेवट नहीं होते हुए भी एम० रौल संख्या 175/55-56 प्रस्तुत किया गया है, जो संदेहास्पद प्रतीत होता है।

अतः तत्कालीन भूमि सुधार, उप समाहर्ता, गढ़वा द्वारा खाता सं०-51, प्लॉट सं०-196, रकबा-0.19 एकड़ का लगान निर्धारण किया गया है जो पंजी-2 के पृष्ठ सं०-79/4 पर कायम है एवं वाद सं०-33/2013-14 से खाता सं०-51, प्लॉट सं०-249, रकबा-0.11 डी० एकड़ भूमि का मांग श्री दरगाही राम वो लक्ष्मण राम, वल्द नारायण राम के नाम से मांग पंजी 02 के पृष्ठ संख्या 43/1 पर कायम है, जिसका मांग स्थगित करना न्यायोचित नहीं है। ऐसी स्थिति में उपरोक्त वर्णित मांग को यथावत रखते हुए आवेदक के आवेदन को खारीज किया जाता है। इसी आशय के साथ इस वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित


03/07/17
उप समाहर्ता भूमि सुधार,
गढ़वा।


03/07/17
उप समाहर्ता भूमि सुधार,
गढ़वा।